SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

मुझे उद्धार पाने के लिये क्या करना चाहिये? — जीवन में उतारना · स्ट्रॉन्ग्स नंबर के साथ केजेवी शास्त्र

इसे जीवन में उतारना · परमेश्वर के साथ चाल — रेंगना, चलना, दौड़ना, समाप्त करना

मुझे उद्धार पाने के लिये क्या करना चाहिए — नींव

उद्घाटन शब्द

उद्धार पाना किसी भी और वस्तु से पहले एक चाल है। कोई बालक एक दिन में चलना नहीं सीखता। पहले वह घुटनों के बल चलता है। फिर एक पिता उसे बाँहों से पकड़कर पहले कदम सिखाता है। फिर बालक अकेला चलता है। फिर वह बड़ा होता है, और दौड़ता है। जो अच्छी तरह दौड़ता है, वह दौड़ में दौड़ता है। दौड़ का एक अंत होता है। अंत में एक मुकुट प्रतीक्षा कर रहा होता है। परमेश्वर के साथ चाल भी वैसी ही है। आधारभूत अध्ययन ने उस महान प्रश्न का उत्तर दिया, और वह उत्तर प्रेरितों का अपना ही उत्तर था: विश्वास करो, मन फिराओ, यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो, पवित्र आत्मा का वरदान प्राप्त करो, और फिर बने रहो, टिके रहो, और अंत तक धीरज धरो। यह अध्ययन वहाँ से आरम्भ होता है जहाँ वह उत्तर एक जीवन बन जाता है। उद्धार पाने के लिए यूनानी शब्द सोज़ो (G4982, to save) है, जिसका अर्थ है छुड़ाना, रक्षा करना, और सम्पूर्ण बनाना। उद्धार के लिए यूनानी शब्द सोटेरिया (G4991, salvation) है, जिसका अर्थ है बचाव और सुरक्षा। पुराना इब्री शब्द येशूआह (H3444, salvation) है, और यीशु के नाम में वही शब्द भीतर समाया हुआ है। इसलिए उद्धार एक क्षण से कहीं अधिक है। यह परमेश्वर का किसी व्यक्ति को पाप और मृत्यु से बचाना है, और फिर उस व्यक्ति के साथ पूरे मार्ग में घर तक चलना है। यह अध्ययन उद्धार को पूरे मार्ग में साथ लेकर चलता है: कैसे बचाई गई चाल परमेश्वर के एक नवजात बालक के लिए आरम्भ होती है, दिन-प्रतिदिन उद्धार के साथ क्या करना है, उसे परमेश्वर की सेना में एक सिपाही के समान कैसे समर्पित करना है, और अंत तक कैसे धीरज धरना है, जहाँ जीवन का मुकुट रखा हुआ है।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. उद्धार पाया हुआ चलना कैसे आरंभ होता है, और मनुष्य परमेश्वर के परिवार में कैसे जन्म लेता है?
2. जिस व्यक्ति के पास उद्धार है, उसे प्रतिदिन उसके साथ क्या करना चाहिए?
3. दौड़ किस प्रकार समाप्त होती है, और अन्त तक धीरज धरने वाले के लिये क्या रखा हुआ है?

I. रेंगना — कैसे उद्धार पाए हुए व्यक्ति का चलना आरम्भ होता है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हर चाल नीचे से शुरू होती है। नवजात शिशु दौड़ता नहीं, उसे गोद में उठाया जाता है, वह रोता है, और जब तक वह बड़ा नहीं होता तब तक दूध पीता है। बाइबल उसी व्यक्ति के लिए यही चित्र प्रयोग करती है जिसने अभी-अभी सुसमाचार का पालन किया है, इसलिए नीचे से शुरू करो, छोटे से शुरू करो, और शुरू करो।)

A. प्रेरितों के काम 2:38 पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने-अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। **[G907 baptizo ⚑] [G3340 metanoeo ⚑]**

मन फिराओ + तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले → तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह वचन पूरी चाल का द्वार है, और यह उन केवल तीन वचनों में से पहला है जिन्हें यह अध्ययन आधार से आगे लेकर चलता है। आधार ने इस द्वार को पूरी तरह खोल दिया था। इसके नीचे जो कुछ है, वह वह सब है जो एक व्यक्ति इस द्वार से भीतर कदम रखने के बाद अनुभव करता है।)

B. रोमियों 6:17 परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, कि तुम जो पाप के दास थे अब मन से उस उपदेश के माननेवाले हो गए, जिसके साँचे में ढाले गए थे **[G5179 tupos ⚑] [G5219 hupakouo ⚑]** (18) और पाप से छुड़ाए जाकर धार्मिकता के दास हो गए।

तुम ने उस शिक्षा के आदर्श को मन से माना है → पाप से स्वतंत्र किए गए + धार्मिकता के दास बने।

C. याकूब 1:18 उसने अपनी ही इच्छा से हमें सत्य के वचन के द्वारा उत्पन्न किया, ताकि हम उसकी सृष्टि किए हुए प्राणियों के बीच पहले फल के समान हो।

उसने अपनी ही इच्छा से हमें सत्य के वचन के द्वारा उत्पन्न किया → ताकि हम उसकी सृष्टि किए हुए प्राणियों के बीच पहले फल के समान हो.

D. 1 पतरस 1:23 क्योंकि तुम ने नाशवान नहीं पर अविनाशी बीज से परमेश्वर के जीविते और सदा ठहरनेवाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया है। **[G3306 meno ⚑] [G313 anagennao ⚑]**

नये सिरे से जन्म पाए हो, नाशवान वीर्य से नहीं, परन्तु अविनाशी वीर्य से → अर्थात परमेश्वर के वचन से जो जीवित है और सर्वदा ठहरनेवाला है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — टैग G313 देखो, और स्ट्रॉंग्स कहता है कि अनागेन्नाओ का अर्थ है फिर से जन्म लेना। नया जन्म एक सच्चा जन्म है, और उस जन्म का बीज परमेश्वर का वचन है। वह बीज अविनाशी है, इसलिए वह जन्म जो वह देता है सदा बना रहता है।)

E. 1 पतरस 2:2 नये जन्मे हुए बच्चों के समान निर्मल आत्मिक दूध की लालसा करो, ताकि उसके द्वारा उद्धार पाने के लिये बढ़ते जाओ **[G837 auxano ⚑] [G1051 gala ⚑]**

नवजात शिशुओं के समान + वचन के निर्मल दूध की लालसा करो → कि तुम उससे बढ़ो।

F. गलातियों 4:6 और तुम जो पुत्र हो, इसलिए परमेश्वर ने अपने पुत्र के आत्मा को, जो 'हे अब्बा, हे पिता' कहकर पुकारता है, हमारे हृदय में भेजा है। **[G5 Abba ⚑]**

और तुम जो पुत्र हो → इसलिए परमेश्वर ने अपने पुत्र के आत्मा को, जो 'हे अब्बा, हे पिता' कहकर पुकारता है, हमारे हृदय में भेजा है.

G. रोमियों 8:15 क्योंकि तुम को दासत्व की आत्मा नहीं मिली, कि फिर भयभीत हो परन्तु लेपालकपन की आत्मा मिली है, जिससे हम हे अब्बा, हे पिता कहकर पुकारते हैं। **[G5206 huiothesia ⚑]** (16) पवित्र आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है, कि हम परमेश्वर की सन्तान हैं।

तुम्हें लेपालक होने की आत्मा मिली, जिसके द्वारा हम पुकारते हैं, अब्बा, हे पिता → आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है, कि हम परमेश्वर की सन्तान हैं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — एक शिशु की पहली आवाज़ रोना होती है, और पवित्र आत्मा परमेश्वर के नवजन्मे बालक को वही पहली आवाज़ देता है, जो "अब्बा, पिता" पुकारते हुए रोता है। अब्बा एक छोटे बालक का छोटा सा शब्द है जो पिता की ओर हाथ बढ़ाता है। इसलिए उद्धार पाए हुए जीवन की पहली प्रार्थना सच्ची होनी चाहिए, लंबी नहीं।)

H. यशायाह 46:3 "हे याकूब के घराने, हे इस्राएल के घराने के सब बचे हुए लोगों, मेरी ओर कान लगाकर सुनो; तुम को मैं तुम्हारी उत्पत्ति ही से उठाए रहा और जन्म ही से लिए फिरता आया हूँ। **[H4422 malat ⚑] [H5375 nasa ⚑]** (4) तुम्हारे बुढ़ापे में भी मैं वैसा ही बना रहूँगा और तुम्हारे बाल पकने के समय तक तुम्हें उठाए रहूँगा। मैंने तुम्हें बनाया और तुम्हें लिए फिरता रहूँगा; मैं तुम्हें उठाए रहूँगा और छुड़ाता भी रहूँगा।

जो गर्भ ही से मुझ से उठाए हुए हो + पेट ही से मुझ से उठाए हुए हो → तुम्हारे बुढ़ापे तक मैं वही हूं + मैं ही उठाए रहूंगा, और बचाऊंगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ परमेश्वर उस एक के रूप में बोलता है जो बालक को उठाए रहता है। उसने इस्राएल को गर्भ से लेकर बुढ़ापे तक उठाए रखा। जो शक्ति नवजात विश्वासी को पहले कदम पर उठाए रहती है, वही पुराने विश्वासी को अंतिम कदम पर उठाए रहती है।)

भिन्न दृष्टिकोण, एक ही दृश्य — शमरिया, मरुभूमि, और कुरनेलियुस का घर

I. प्रेरितों के काम 8:12 परन्तु जब उन्होंने फिलिप्पुस का विश्वास किया जो परमेश्वर के राज्य और यीशु मसीह के नाम का सुसमाचार सुनाता था तो लोग, क्या पुरुष, क्या स्त्री बपतिस्मा लेने लगे। **[G907 baptizo ⚑]**

उन्होंने फिलिप्पुस पर विश्वास किया जो परमेश्वर के राज्य की बातें प्रचार करता था → और उन्होंने बपतिस्मा लिया, पुरुष और स्त्री दोनों ने।

J. प्रेरितों के काम 8:36 मार्ग में चलते-चलते वे किसी जल की जगह पहुँचे, तब खोजे ने कहा, "देख यहाँ जल है, अब मुझे बपतिस्मा लेने में क्या रोक है?" (37) फिलिप्पुस ने कहा, "यदि तू सारे मन से विश्वास करता है तो ले सकता है।" उसने उत्तर दिया, "मैं विश्वास करता हूँ कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है।" (38) तब उसने रथ खड़ा करने की आज्ञा दी, और फिलिप्पुस और खोजा दोनों जल में उतर पड़े, और उसने उसे बपतिस्मा दिया। (39) जब वे जल में से निकलकर ऊपर आए, तो प्रभु का आत्मा फिलिप्पुस को उठा ले गया, और खोजे ने उसे फिर न देखा, और वह आनन्द करता हुआ अपने मार्ग चला गया। (1 राजा. 18:12)

देखो, यहां जल है; मुझे बपतिस्मा लेने से कौन रोकता है? → वे दोनों जल में उतर गए + उसने उसे बपतिस्मा दिया → और वह आनन्द करता हुआ अपने मार्ग चला गया।

K. प्रेरितों के काम 10:47 "क्या अब कोई इन्हें जल से रोक सकता है कि ये बपतिस्मा न पाएँ, जिन्होंने हमारे समान पवित्र आत्मा पाया है?" **[G907 baptizo ⚑]** (48) और उसने आज्ञा दी कि उन्हें यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दिया जाए। तब उन्होंने उससे विनती की, कि कुछ दिन और हमारे साथ रह।

क्या कोई जल में रुकावट डाल सकता है, कि ये बपतिस्मा न पाएं? → उस ने उन्हें प्रभु के नाम से बपतिस्मा लेने की आज्ञा दी।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — तीन दृश्य, तीन समूह, एक ही द्वार। सामारिया में पूरे नगर ने सुना और मान लिया, मरुभूमि के मार्ग पर एक यात्री ने सुना और मान लिया, और कुरनेलियुस के घर में एक अन्यजाति परिवार ने सुना और मान लिया। फिर वह यात्री "आनन्द करता हुआ अपने मार्ग चला गया", सो बचाए हुए की चाल आनन्द से आरम्भ होती है।)

II. चलना — उद्धार के साथ प्रतिदिन क्या करना है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — बालक अपने पैरों पर खड़ा है, और अब चलना शुरू होता है। उद्धार एक ऐसा मार्ग है जिस पर हर दिन चलना है, न कि कोई खज़ाना जिसे एक बक्से में रख कर कभी-कभी देखा जाए। पहली कलीसिया इसे प्रतिदिन जीती थी, और इस अवस्था के शब्द इसे प्रमाणित करते हैं: बने रहना, चलना, कार्यसाधन करना, बनाए रखना, मनन करना, बढ़ना।)

A. प्रेरितों के काम 2:42 और वे प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने में और रोटी तोड़ने में और प्रार्थना करने में लौलीन रहे। **[G4342 proskartereo ⚑]**

वे प्रेरितों के उपदेश + संगति + रोटी तोड़ने + और प्रार्थनाओं में लगातार बने रहे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह उन तीन वचनों में से दूसरा है जो नींव से आगे लाए गए हैं, और यह पूरे चलने की अवस्था का दैनिक प्रतिमान है। स्ट्रॉन्स के अनुसार प्रॉस्करटेरियो (G4342, दृढ़ता से बने रहना) का अर्थ है किसी बात के लिए निरन्तर अपने आप को देना। आरम्भिक कलीसिया इन चार बातों में केवल आती-जाती नहीं थी परन्तु उन्हीं में जीवित रहती थी।)

B. कुलुस्सियों 2:6 इसलिए, जैसे तुम ने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में चलते रहो। **[G950 bebaioo ⚑] [G4492 rhizoo ⚑]** (7) और उसी में जड़ पकड़ते और बढ़ते जाओ; और जैसे तुम सिखाए गए वैसे ही विश्वास में दृढ़ होते जाओ, और अत्यन्त धन्यवाद करते रहो।

जैसा तुम ने प्रभु मसीह यीशु को ग्रहण किया है, वैसा ही उसी में चलते रहो → उसी में जड़ पकड़ो और बढ़ते जाओ, और विश्वास में स्थिर होते जाओ।

C. फिलिप्पियों 2:12 इसलिए हे मेरे प्रियों, जिस प्रकार तुम सदा से आज्ञा मानते आए हो, वैसे ही अब भी न केवल मेरे साथ रहते हुए पर विशेष करके अब मेरे दूर रहने पर भी डरते और काँपते हुए अपने-अपने उद्धार का कार्य पूरा करते जाओ। **[G1754 energeo ⚑] [G2716 katergazomai ⚑]** (13) क्योंकि परमेश्वर ही है, जिसने अपनी सुइच्छा निमित्त तुम्हारे मन में इच्छा और काम, दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला है।

डरते और कांपते हुए अपने अपने उद्धार को पूरा करो → क्योंकि परमेश्वर ही है जो तुम में इच्छा करने और करने को उत्पन्न करता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — तुम उसे बाहर व्यक्त करते हो जो परमेश्वर तुम्हारे भीतर करता है, और स्ट्रॉन्स कहता है कि कातेर्गाज़ोमाई (G2716, बाहर व्यक्त करना) का अर्थ है किसी बात को अंत तक पूरा करना। उद्धार परमेश्वर का वरदान है, जो अनुग्रह से दिया गया है, और अनुग्रह का अर्थ है परमेश्वर की अनर्जित कृपा। यह कार्य वरदान को नहीं अर्जित करता, बल्कि उसे पूरा करता है, जैसे एक बीज जो पहले ही दिया जा चुका है, फिर भी उसे बोया जाना, सींचा जाना, और कटनी के समय एकत्र किया जाना आवश्यक है।)

D. रोमियों 6:11 ऐसे ही तुम भी अपने आपको पाप के लिये तो मरा, परन्तु परमेश्वर के लिये मसीह यीशु में जीवित समझो। **[G3049 logizomai ⚑]**

ऐसे ही तुम भी अपने आपको पाप के लिये तो मरा → परन्तु परमेश्वर के लिये मसीह यीशु में जीवित समझो.

E. लूका 8:15 पर अच्छी भूमि में के वे हैं, जो वचन सुनकर भले और उत्तम मन में सम्भाले रहते हैं, और धीरज से फल लाते हैं। **[G2722 katecho ⚑]**

एक ईमानदार और अच्छा हृदय + वचन को सुनकर, उसे थामे रहते हैं → धीरज से फल लाते हैं।

F. भजन संहिता 1:2 परन्तु वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता; और उसकी व्यवस्था पर रात-दिन ध्यान करता रहता है। **[H1897 hagah ⚑]** (3) वह उस वृक्ष के समान है, जो बहती पानी की धाराओं के किनारे लगाया गया है और अपनी ऋतु में फलता है, और जिसके पत्ते कभी मुरझाते नहीं। और जो कुछ वह पुरुष करे वह सफल होता है।

उसकी प्रसन्नता यहोवा की व्यवस्था में है + और वह उसकी व्यवस्था पर रात दिन ध्यान करता है → वह उस वृक्ष के समान है जो बहती हुई नदियों के किनारे लगाया गया है।

G. यहोशू 1:8 व्यवस्था की यह पुस्तक तेरे चित्त से कभी न उतरने पाए, इसी में दिन-रात ध्यान दिए रहना, इसलिए कि जो कुछ उसमें लिखा है उसके अनुसार करने की तू चौकसी करे; क्योंकि ऐसा ही करने से तेरे सब काम सफल होंगे, और तू प्रभावशाली होगा। **[H1897 hagah ⚑]**

व्यवस्था की यह पुस्तक तेरे मुंह से न हटे + उस पर दिन रात मनन कर → तब तू अपना मार्ग सफल बनाएगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहोशू से परमेश्वर ने कहा, इस पुस्तक का दिन-रात मनन करना, और भजन कहता है कि वह धन्य पुरुष जो दिन-रात मनन करता है, वह जल की धाराओं के निकट लगाए हुए वृक्ष के समान है। स्ट्रॉन्स कहता है कि हागाह (H1897, मनन करना) का अर्थ है गुनगुनाना, धीमे स्वर में बोलना। इसलिए यह वचन केवल आँखों से पढ़ा नहीं जाता, बल्कि मुख में रखा जाता है, सुबह और रात, जब तक कि वह मनुष्य में जड़ें न जमा ले।)

H. 1 यूहन्ना 1:7 पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चलें, तो एक दूसरे से सहभागिता रखते हैं और उसके पुत्र यीशु मसीह का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है। (यशा. 2:5) **[G2511 katharizo ⚑]**

यदि हम ज्योति में चलें, जैसा वह ज्योति में है → तो हमारी आपस में संगति है + और उसके पुत्र यीशु मसीह का लहू हमें सब पाप से शुद्ध करता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — नींव में उस लोहू को दिखाया गया था जो द्वार पर पापी को धोता है। यहाँ वही लोहू मार्ग पर चलनेवाले को शुद्ध रखता है। जो व्यक्ति ज्योति में चलता है, वह लोहू की पहुँच से बाहर नहीं चलता।)

I. इब्रानियों 10:24 और प्रेम, और भले कामों में उकसाने के लिये एक दूसरे को चिन्ता किया करें। **[G3870 parakaleo ⚑] [G1997 episunagoge ⚑]** (25) और एक दूसरे के साथ इकट्ठा होना न छोड़ें, जैसे कि कितनों की रीति है, पर एक दूसरे को समझाते रहें; और ज्यों-ज्यों उस दिन को निकट आते देखो, त्यों-त्यों और भी अधिक यह किया करो।

हम एक दूसरे पर ध्यान दें कि प्रेम और भले कामों के लिए उत्तेजित करें + और अपनी सभा से न हटें + वरन जैसा तुम उस दिन को निकट आते देखते हो, वैसा ही एक दूसरे को उतना ही अधिक समझाओ।

J. 2 पतरस 3:18 पर हमारे प्रभु, और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह और पहचान में बढ़ते जाओ। उसी की महिमा अब भी हो, और युगानुयुग होती रहे। आमीन। **[G837 auxano ⚑]**

पर हमारे प्रभु, और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह और पहचान में बढ़ते जाओ.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — चलने की अवस्था का एक सरल स्वरूप है, ग्रहण करना और चलना, सुनना और पालन करना, दिन-रात मनन करना, ज्योति में बने रहना, भाइयों के साथ बने रहना, बढ़ना। एक शिशु जो हर दिन खाता है और हर दिन चलता है, वह शिशु नहीं रहता। अब चाल दृढ़ है, और अब समय है दौड़ने का।)

III. दौड़ में दौड़ना — परमेश्वर की सेना के सैनिक के समान समर्पित करो

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब चाल एक दौड़ बन जाती है, और दौड़ एक युद्ध बन जाती है। उद्धार की आशा सिपाही के सिर पर टोप है, और ज्योति का कवच आने वाले दिन के लिए उसकी पोशाक है। सिपाही लड़ता है और समर्पण करता है, और परमेश्वर उद्धार करता है।)

A. रोमियों 13:11 और समय को पहचानकर ऐसा ही करो, इसलिए कि अब तुम्हारे लिये नींद से जाग उठने की घड़ी आ पहुँची है; क्योंकि जिस समय हमने विश्वास किया था, उस समय की तुलना से अब हमारा उद्धार निकट है। **[G3696 hoplon ⚑] [G4991 soteria ⚑]** (12) रात बहुत बीत गई है, और दिन निकलने पर है; इसलिए हम अंधकार के कामों को तजकर ज्योति के हथियार बाँध लें।

अब नींद से जाग उठने का समय आ पहुंचा है + अब हमारा उद्धार उससे अधिक निकट है जब हमने विश्वास किया था → अंधकार के कामों को उतार फेंकें + और ज्योति के हथियार बांध लें।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पौलुस दौड़ाक को ऐसे जगाता है जैसे युद्ध से पहले किसी सैनिक को, और वह जागने का कारण देता है: हमारा उद्धार अब उस समय से कहीं अधिक निकट है जब हमने विश्वास किया था। इस वचन में उद्धार विश्वासी के पीछे नहीं, बल्कि आगे है, जो हर कदम के साथ निकट आता जाता है। मनुष्य और भी वेग से दौड़ता है जब दौड़ का अंत दिखाई देने लगता है।)

B. 1 थिस्सलुनीकियों 5:8 पर हम जो दिन के हैं, विश्वास और प्रेम की झिलम पहनकर और उद्धार की आशा का टोप पहनकर सावधान रहें। (यशा. 59:17) **[G4991 soteria ⚑] [G4030 perikephalaia ⚑]** (9) क्योंकि परमेश्वर ने हमें क्रोध के लिये नहीं, परन्तु इसलिए ठहराया कि हम अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा उद्धार प्राप्त करें।

सतर्क रहो + विश्वास और प्रेम का झिलम पहनकर + और उद्धार की आशा का टोप पहनकर → क्योंकि परमेश्वर ने हमें क्रोध के लिए नहीं, परन्तु हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा उद्धार प्राप्त करने के लिए नियुक्त किया है।

C. 1 पतरस 5:8 सचेत हो, और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह के समान इस खोज में रहता है, कि किसको फाड़ खाए। **[G436 anthistemi ⚑] [G1127 gregoreo ⚑]** (9) विश्वास में दृढ़ होकर, और यह जानकर उसका सामना करो, कि तुम्हारे भाई जो संसार में हैं, ऐसे ही दुःख भुगत रहे हैं।

सचेत रहो, जागते रहो + तुम्हारा विरोधी शैतान, गर्जनेवाले सिंह के समान फिरता है → उसका सामना विश्वास में स्थिर होकर करो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पौलुस कहता है, संयमी बनो, और कवच धारण करो। पतरस कहता है, संयमी बनो, जागते रहो, क्योंकि शत्रु शिकार खोज रहा है। सिंह उसी का शिकार करता है जो सोया हुआ है, इसलिए जो सिपाही जागता रहता है और विश्वास में दृढ़ रहकर विरोध करता है, वह आसान शिकार नहीं है।)

D. 2 तीमुथियुस 1:8 इसलिए हमारे प्रभु की गवाही से, और मुझसे जो उसका कैदी हूँ, लज्जित न हो, पर उस परमेश्वर की सामर्थ्य के अनुसार सुसमाचार के लिये मेरे साथ दुःख उठा। **[G2821 klesis ⚑] [G4982 sozo ⚑]** (9) जिसने हमारा उद्धार किया, और पवित्र बुलाहट से बुलाया, और यह हमारे कामों के अनुसार नहीं; पर अपनी मनसा और उस अनुग्रह के अनुसार है; जो मसीह यीशु में अनादिकाल से हम पर हुआ है।

तू सुसमाचार के लिये दुख उठाने में हिस्सेदार बन → जिसने हमें बचाया, और पवित्र बुलाहट से बुलाया + अपने ही उद्देश्य और अनुग्रह के अनुसार।

E. रोमियों 1:16 क्योंकि मैं सुसमाचार से नहीं लजाता, इसलिए कि वह हर एक विश्वास करनेवाले के लिये, पहले तो यहूदी, फिर यूनानी के लिये, उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ्य है। (2 तीमु. 1:8) **[G4991 soteria ⚑] [G1411 dunamis ⚑]**

मैं मसीह के सुसमाचार से नहीं लजाता → क्योंकि वह हर एक विश्वास करनेवाले के उद्धार के लिये परमेश्वर की सामर्थ्य है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इस सेना में सिपाही का हथियार लोहे का नहीं परन्तु सुसमाचार ही है, "उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ"। पौलुस दो बार कहता है कि वह लज्जित नहीं है, न हमारे प्रभु की गवाही से, और न मसीह के सुसमाचार से। सुसमाचार को खुलेआम लिए फिरो, क्योंकि सुसमाचार ही वह मार्ग है जिससे उद्धार मार्ग पर अगले व्यक्ति तक पहुंचता है।)

F. निर्गमन 14:13 मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत, खड़े-खड़े वह उद्धार का काम देखो, जो यहोवा आज तुम्हारे लिये करेगा; क्योंकि जिन मिस्रियों को तुम आज देखते हो, उनको फिर कभी न देखोगे। **[H3444 yeshuwah ⚑] [H3320 yatsab ⚑]**

मत डरो, स्थिर खड़े रहो, और यहोवा के उद्धार को देखो।

G. 2 इतिहास 20:17 इस लड़ाई में तुम्हें लड़ना न होगा; हे यहूदा, और हे यरूशलेम, ठहरे रहना, और खड़े रहकर यहोवा की ओर से अपना बचाव देखना;’ मत डरो, और तुम्हारा मन कच्चा न हो; कल उनका सामना करने को चलना और यहोवा तुम्हारे साथ रहेगा।” **[H3444 yeshuwah ⚑]**

तुम्हें इस लड़ाई में लड़ने की आवश्यकता नहीं + तुम स्थिर खड़े रहो, और यहोवा का किया हुआ उद्धार देखो जो तुम्हारे साथ है + मत डरो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — समुद्र के पास मूसा कहता है, "थमे रहो, और यहोवा के किए हुए उद्धार को देखो", और तीन सेनाओं के सामने यहूदा का राजा भी वही आज्ञा सुनता है। दोनों दृश्यों में लोगों को फिर भी आगे बढ़ना पड़ा, परन्तु उद्धार स्वयं परमेश्वर का ही कार्य था, तलवार का कार्य नहीं। इसीलिए यह शब्द उद्धार है, मजदूरी नहीं।)

H. इब्रानियों 10:38 और मेरा धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा, और यदि वह पीछे हट जाए तो मेरा मन उससे प्रसन्न न होगा।" (हब. 2:4, गला. 3:11) **[G4047 peripoiesis ⚑] [G5288 hupostello ⚑]** (39) पर हम हटनेवाले नहीं, कि नाश हो जाएँ पर विश्वास करनेवाले हैं, कि प्राणों को बचाएँ।

धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा + यदि कोई पीछे हट जाए, तो मेरा मन उस से प्रसन्न न होगा → हम उन में से नहीं जो पीछे हट के नाश होते हैं, परन्तु उन में से हैं जो विश्वास करते हैं कि प्राण का उद्धार पाएं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — एक सैनिक की एक ही दिशा होती है, आगे। स्ट्रॉंग्स के अनुसार हुपोस्टेल्लो (G5288, पीछे हटना) का अर्थ है सिकुड़ना, हट जाना। इब्रानियों की पत्री मैदान में केवल दो दलों को खड़ा करती है, इसलिए हर सुबह उन विश्वासियों के साथ अपना स्थान लो जो "प्राण के उद्धार" की ओर बढ़ते हैं।)

I. लूका 9:23 उसने सबसे कहा, "यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आप से इन्कार करे और प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए हुए मेरे पीछे हो ले। **[G4716 stauros ⚑]**

तो अपने आप से इन्कार करे और प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए हुए मेरे पीछे हो ले.

J. लूका 14:28 "तुम में से कौन है कि गढ़ बनाना चाहता हो, और पहले बैठकर खर्च न जोड़े, कि पूरा करने की सामर्थ्य मेरे पास है कि नहीं? **[G1615 ekteleo ⚑] [G5585 psephizo ⚑]** (29) कहीं ऐसा न हो, कि जब नींव डालकर तैयार न कर सके, तो सब देखनेवाले यह कहकर उसका उपहास करेंगे (30) 'यह मनुष्य बनाने तो लगा, पर तैयार न कर सका?'

क्या वह पहले बैठकर खर्च का हिसाब नहीं लगाता, कि उसके पास इसे पूरा करने के लिए पर्याप्त है या नहीं? → इस मनुष्य ने बनाना आरम्भ किया, परन्तु पूरा न कर सका।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — प्रभु सम्पूर्ण जीवन, प्रतिदिन, माँगते हैं, और वे कहते हैं कि भवन बनाने से पहले उसकी लागत का हिसाब लगा लो। जो गुम्मट बनाना आरम्भ किया गया और आधा बना छोड़ दिया गया, वह उपहास लाता है, आश्रय नहीं। लागत का हिसाब लगाओ, प्रतिदिन क्रूस उठाओ, और वह बनाने वाला बनो जो कार्य पूरा करता है।)

K. प्रकाशितवाक्य 12:11 और वे मेम्ने के लहू के कारण, और अपनी गवाही के वचन के कारण, उस पर जयवन्त हुए, क्योंकि उन्होंने अपने प्राणों को प्रिय न जाना, यहाँ तक कि मृत्यु भी सह ली। **[G3528 nikao ⚑]**

उन्होंने मेम्ने के लहू से और अपनी गवाही के वचन से उस पर विजय पाई + उन्होंने अपने प्राणों को मृत्यु तक प्रिय न जाना।

L. यहूदा 1:20 पर हे प्रियों तुम अपने अति पवित्र विश्वास में अपनी उन्नति करते हुए और पवित्र आत्मा में प्रार्थना करते हुए **[G5083 tereo ⚑]** (21) अपने आपको परमेश्वर के प्रेम में बनाए रखो; और अनन्त जीवन के लिये हमारे प्रभु यीशु मसीह की दया की आशा देखते रहो।

अपने आप को अपने अति पवित्र विश्वास की नेव पर उठाते हुए + पवित्र आत्मा में प्रार्थना करते हुए → परमेश्वर के प्रेम में अपने आप को बनाए रखो, अनन्त जीवन के लिये हमारे प्रभु यीशु मसीह की दया की बाट जोहते हुए।

मेरे व्यक्तिगत विचार — सिपाही की आज्ञाओं को एक स्थान पर इकट्ठा करें: सचेत रहो, उद्धार की आशा को टोप के समान पहन लो, जागते रहो, बिना लज्जा के सुसमाचार को धारण करो, पीछे मत हटो, और प्रतिदिन क्रूस उठाओ। यीशु के लहू से, जो परमेश्वर का मेम्ना कहलाता है, विजय पाओ, और उससे अपने प्राण से भी अधिक प्रेम करो। दौड़ रेखा तक चलती रहती है, और रेखा अगली है।

IV. अन्तिम रेखा — एक अनन्त उद्धार, और जीवन का मुकुट

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हर दौड़ का एक अन्त होता है, और यह अन्त कोई दीवार नहीं परन्तु एक मुकुट, एक सिंहासन, और एक बड़ी भीड़ है। उद्धार द्वार पर आरम्भ हुआ, फिर वह दिन प्रतिदिन चलता रहा, फिर वह एक सिपाही के समान लड़ा। अब वह पूरा हो गया है, और इस पूर्णता का एक नाम पवित्रशास्त्र में है: "तुम्हारे विश्वास का अन्त, अर्थात तुम्हारे प्राणों का उद्धार"।)

A. मत्ती 24:13 परन्तु जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा, उसी का उद्धार होगा। **[G5056 telos ⚑] [G5278 hupomeno ⚑]**

परन्तु जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा → उसी का उद्धार होगा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह नींव से आगे लाया गया तीसरा वचन है, और तीनों में सबसे छोटा। स्ट्रॉन्ग्स कहता है कि टेलोस (G5056, अंत) का अर्थ है वह बिंदु जिसका लक्ष्य रखा गया है, वह लक्ष्य। पतरस दो वचन बाद वही शब्द प्रयोग करता है, और वह हमें बताता है कि अंत क्या है।)

B. इब्रानियों 9:27 और जैसे मनुष्यों के लिये एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है। (2 कुरि. 5:10, सभो. 12:14) **[G4991 soteria ⚑]** (28) वैसे ही मसीह भी बहुतों के पापों को उठा लेने के लिये एक बार बलिदान हुआ और जो लोग उसकी प्रतीक्षा करते हैं, उनके उद्धार के लिये दूसरी बार बिना पाप के दिखाई देगा। (1 पत. 2:24, तीतु. 2:13)

मसीह एक ही बार बहुतों के पापों को उठाने के लिये चढ़ाया गया → और जो उसकी बाट जोहते हैं, उन्हें वह दूसरी बार बिना पाप के उद्धार के लिये दिखाई देगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — जब मसीह पहली बार आया, तब उसने पाप उठा लिया। जब वह दूसरी बार आएगा, तब वह "उसकी बाट जोहनेवालों" के लिए उद्धार लेकर घर लाएगा। इस दौड़ का अंत एक व्यक्ति का प्रगट होना है, इसलिए क्रम है जागते रहो, बाट जोहो, और सहते रहो।)

C. 1 पतरस 1:8 उससे तुम बिन देखे प्रेम रखते हो, और अब तो उस पर बिन देखे भी विश्वास करके ऐसे आनन्दित और मगन होते हो, जो वर्णन से बाहर और महिमा से भरा हुआ है **[G4991 soteria ⚑] [G5056 telos ⚑]** (9) और अपने विश्वास का प्रतिफल अर्थात् आत्माओं का उद्धार प्राप्त करते हो।

जिसे तुमने बिना देखे प्रेम किया + और अब बिना देखे उस पर विश्वास करते हुए अनिर्वचनीय और तेजोमय आनन्द से मगन होते हो → और अपने विश्वास का फल, अर्थात् अपने प्राणों का उद्धार प्राप्त करते हो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — टैग देखें, G5056। मत्ती 24:13 में जिस अंत तक मनुष्य सहता है, और इस पद में जो अंत मनुष्य को प्राप्त होता है, वे एक ही यूनानी शब्द हैं। अंत तक सहते रहो, और जो अंत तुम्हारे हाथों में रखा गया है वह तुम्हारे प्राणों का उद्धार है।)

D. याकूब 1:12 धन्य है वह मनुष्य, जो परीक्षा में स्थिर रहता है; क्योंकि वह खरा निकलकर जीवन का वह मुकुट पाएगा, जिसकी प्रतिज्ञा प्रभु ने अपने प्रेम करनेवालों को दी है। **[G4735 stephanos ⚑] [G5278 hupomeno ⚑]**

धन्य है वह मनुष्य, जो परीक्षा में स्थिर रहता है → क्योंकि वह खरा निकलकर जीवन का वह मुकुट पाएगा, जिसकी प्रतिज्ञा प्रभु ने अपने प्रेम करनेवालों को दी है.

E. प्रेरितों के काम 20:24 परन्तु मैं अपने प्राण को कुछ नहीं समझता कि उसे प्रिय जानूँ, वरन् यह कि मैं अपनी दौड़ को, और उस सेवा को पूरी करूँ, जो मैंने परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार पर गवाही देने के लिये प्रभु यीशु से पाई है। **[G1408 dromos ⚑] [G5048 teleioo ⚑]**

इन बातों में से कोई भी मुझे विचलित नहीं करती, और न मैं अपने प्राण को अपने लिये प्रिय समझता हूं → कि मैं अपनी दौड़ आनंद के साथ पूरी करूं + और परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार की गवाही दूं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — देखें कि एक समाप्त करनेवाला कैसे बोलता है। पौलुस आनन्द के साथ अपनी दौड़ पूरी करने की विनती करता है, न कि केवल उसमें से बच निकलने की। मार्ग का अंतिम भाग भी प्रचार का मार्ग ही है, कि अंत तक परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार की गवाही दी जाए।)

F. प्रेरितों के काम 20:32 और अब मैं तुम्हें परमेश्वर को, और उसके अनुग्रह के वचन को सौंप देता हूँ; जो तुम्हारी उन्नति कर सकता है, और सब पवित्र किए गये लोगों में सहभागी होकर विरासत दे सकता है। **[G2817 kleronomia ⚑] [G2026 epoikodomeo ⚑]**

मैं तुम्हें परमेश्वर को, और उसके अनुग्रह के वचन को सौंपता हूं → जो तुम्हें उन्नति दे सकता है + और सब पवित्र किए हुओं के बीच मीरास दे सकता है।

G. इब्रानियों 5:8 और पुत्र होने पर भी, उसने दुःख उठा-उठाकर आज्ञा माननी सीखी। **[G5219 hupakouo ⚑] [G4991 soteria ⚑] [G159 aitios ⚑]** (9) और सिद्ध बनकर, अपने सब आज्ञा माननेवालों के लिये सदाकाल के उद्धार का कारण हो गया। (यशा. 45:17)

यद्यपि वह पुत्र था, तौभी उसने आज्ञाकारिता सीखी → और वह अपने सारे आज्ञाकारियों के लिये अनन्त उद्धार का कारण बन गया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — जो चाल तुम चल रहे हो, वह एक पहले से चली हुई चाल है। यीशु ने उन दुःखों के द्वारा जो उसने उठाए, आज्ञाकारिता सीखी, और अपनी दौड़ पूरी करके वह अनन्त उद्धार का कर्ता बना। यह वचन बताता है कि वह उद्धार किन्हें मिलता है, "उन सभी को जो उसकी आज्ञा मानते हैं"।)

H. यशायाह 45:17 परन्तु इस्राएल यहोवा के द्वारा युग-युग का उद्धार पाएगा; तुम युग-युग वरन् अनन्तकाल तक न तो कभी लज्जित और न कभी व्याकुल होंगे। (रोम. 10:11, योए. 2:26,27, इब्रा. 5:9) **[H8668 teshuwah ⚑] [H3467 yasha ⚑]**

इस्राएल यहोवा से युगयुग की मुक्ति पाकर उद्धार पाएगा → तुम युगानुयुग कभी लज्जित वा संकोच में न पड़ोगे।

I. यशायाह 51:6 आकाश की ओर अपनी आँखें उठाओ, और पृथ्वी को निहारो; क्योंकि आकाश धुएँ के समान लोप हो जाएगा, पृथ्वी कपड़े के समान पुरानी हो जाएगी, और उसके रहनेवाले ऐसे ही जाते रहेंगे; परन्तु जो उद्धार मैं करूँगा वह सर्वदा ठहरेगा, और मेरी धार्मिकता का अन्त न होगा। **[H3444 yeshuwah ⚑]**

क्योंकि आकाश धुएँ के समान लोप हो जाएगा + पृथ्वी कपड़े के समान पुरानी हो जाएगी → परन्तु जो उद्धार मैं करूँगा वह सर्वदा ठहरेगा + और मेरी धार्मिकता का अन्त न होगा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — ऊपर देखो, भविष्यवक्ता कहता है, और देखो कि आकाश भी धूएँ के समान लोप हो जाता है। फिर सुनो कि क्या लोप नहीं होता: मेरा उद्धार सदैव बना रहेगा। द्वार पर तुम्हें जो वस्तु दी गई है, वह तुम्हारे ऊपर के आकाश से भी अधिक समय तक बनी रहेगी।)

J. प्रकाशितवाक्य 7:9 इसके बाद मैंने दृष्टि की, और हर एक जाति, और कुल, और लोग और भाषा में से एक ऐसी बड़ी भीड़, जिसे कोई गिन नहीं सकता था श्वेत वस्त्र पहने और अपने हाथों में खजूर की डालियाँ लिये हुए सिंहासन के सामने और मेम्ने के सामने खड़ी है; **[G4991 soteria ⚑]** (10) और बड़े शब्द से पुकारकर कहती है, "उद्धार के लिये हमारे परमेश्वर का, जो सिंहासन पर बैठा है, और मेम्ने का जय जयकार हो।" (प्रका. 19:1, भज. 3:8)

एक बड़ी भीड़, जिसे कोई गिन नहीं सकता था, सब जातियों में से + सिंहासन के सामने, और मेम्ने के सामने खड़ी थी → ऊंचे शब्द से पुकार कर कहती थी, उद्धार हमारे परमेश्वर की ओर से है।

K. प्रकाशितवाक्य 7:13 इस पर प्राचीनों में से एक ने मुझसे कहा, "ये श्वेत वस्त्र पहने हुए कौन हैं? और कहाँ से आए हैं?" **[G4150 pluno ⚑]** (14) मैंने उससे कहा, "हे स्वामी, तू ही जानता है।" उसने मुझसे कहा, "ये वे हैं, जो उस महाक्लेश में से निकलकर आए हैं; इन्होंने अपने-अपने वस्त्र मेम्ने के लहू में धोकर श्वेत किए हैं। (प्रका. 22:14)

ये वे हैं जो बड़े क्लेश में से निकलकर आए हैं → उन्होंने अपने वस्त्रों को मेम्ने के लोहू में धोकर उजला किया है।

L. प्रकाशितवाक्य 7:17 क्योंकि मेम्ना जो सिंहासन के बीच में है, उनकी रखवाली करेगा; और उन्हें जीवनरूपी जल के सोतों के पास ले जाया करेगा, और परमेश्वर उनकी आँखों से सब आँसू पोंछ डालेगा।" (भज. 23:1, भज. 23:2, यशा. 25:8)

क्योंकि मेम्ना जो सिंहासन के बीच में है, उनकी रखवाली करेगा → भज. 23:1, भज. 23:2, यशा. 25:8.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इस यात्रा का अंतिम दृश्य एक ऐसा परिवार है जो गिनने में बहुत बड़ा है, हर जाति में से, सिंहासन के सामने खड़ा हुआ। एक ही शब्द जो पूरी भीड़ मिलकर पुकारती है वह है उद्धार। उन्होंने अपने वस्त्र यीशु के लहू में धोकर श्वेत किए, जिसे परमेश्वर का मेम्ना कहा जाता है, और परमेश्वर अपने ही हाथ से उनके आँसू पोंछता है।)

दो के मुख

1 पतरस 1:5 जिनकी रक्षा परमेश्वर की सामर्थ्य से, विश्वास के द्वारा उस उद्धार के लिये, जो आनेवाले समय में प्रगट होनेवाली है, की जाती है। **[G4991 soteria ⚑]**

जिनकी रक्षा परमेश्वर की सामर्थ्य से, विश्वास के द्वारा उस उद्धार के लिये → जो आनेवाले समय में प्रगट होनेवाली है, की जाती है.

2 तीमुथियुस 1:12 इस कारण मैं इन दुःखों को भी उठाता हूँ, पर लजाता नहीं, क्योंकि जिस पर मैंने विश्वास रखा है, जानता हूँ; और मुझे निश्चय है, कि वह मेरी धरोहर की उस दिन तक रखवाली कर सकता है। **[G5442 phulasso ⚑]**

मैं जानता हूं जिस पर मैं ने विश्वास किया है → वह इस योग्य है, कि जो कुछ मैं ने उसे सौंपा है, उस दिन तक उसकी रक्षा कर सके।

यहूदा 1:24 अब जो तुम्हें ठोकर खाने से बचा सकता है, और अपनी महिमा की भरपूरी के सामने मगन और निर्दोष करके खड़ा कर सकता है। **[G679 aptaistos ⚑]**

तुम्हें फिसलने से बचाने + और अपनी महिमा के सम्मुख निर्दोष खड़ा करने में समर्थ है, अत्यन्त आनन्द के साथ।

2 कुरिन्थियों 13:1 अब तीसरी बार तुम्हारे पास आता हूँ: दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15) **[G3144 martus ⚑]**

दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15.

मेरे व्यक्तिगत विचार — इस मार्ग पर तीन गवाह खड़े हैं, और हर एक एक ही शब्द कहता है: सुरक्षित रखा गया। पतरस कहता है परमेश्वर की सामर्थ्य से सुरक्षित रखा गया, पौलुस कहता है उस दिन के लिये सुरक्षित रखा गया, और यहूदा कहता है गिरने से सुरक्षित रखा गया। दो या तीन गवाहों के मुख से बात स्थिर होती है: जो परमेश्वर तुम्हें धीरज धरने की आज्ञा देता है, वही तुम्हें धीरज धरते समय सुरक्षित भी रखता है।

छाया और पूर्णता

(मेरे व्यक्तिगत विचार — भूमि पर पड़ी परछाई का एक वास्तविक आकार होता है, परन्तु वह आकार अकेला तुम्हें नहीं बता सकता कि वह किस वस्तु की है, जब तक प्रकाश तुम्हें वह वस्तु स्वयं न दिखाए। पुराने नियम के चित्र वास्तविक परछाइयाँ हैं जो एक वास्तविक देह से पड़ती हैं, और वह देह मसीह की है, यद्यपि परछाई उस वस्तु की ठीक प्रतिमूर्ति नहीं होती (कुलुस्सियों 2:17, इब्रानियों 10:1)। इसलिए हम कभी भी केवल परछाई पर शिक्षा नहीं बनाते, और हम किसी वस्तु को परछाई तभी कहते हैं जब नए नियम के प्रकाश ने हमें वह देह दिखाई हो जिसने उसे डाला।)

Shadow निर्गमन 14:30 इस प्रकार यहोवा ने उस दिन इस्राएलियों को मिस्रियों के वश से इस प्रकार छुड़ाया; और इस्राएलियों ने मिस्रियों को समुद्र के तट पर मरे पड़े हुए देखा। **[H3467 yasha ⚑]**

इस प्रकार यहोवा ने उस दिन इस्राएलियों को मिस्रियों के वश से इस प्रकार छुड़ाया.

Shadow निर्गमन 15:2 यहोवा मेरा बल और भजन का विषय है, और वही मेरा उद्धार भी ठहरा है; मेरा परमेश्वर वही है, मैं उसी की स्तुति करूँगा, (मैं उसके लिये निवास-स्थान बनाऊँगा), मेरे पूर्वजों का परमेश्वर वही है, मैं उसको सराहूँगा। **[H3444 yeshuwah ⚑]**

यहोवा मेरा बल और गीत है, और वह मेरा उद्धार ठहरा है।

Fulfillment 1 कुरिन्थियों 10:1 हे भाइयों, मैं नहीं चाहता, कि तुम इस बात से अज्ञात रहो, कि हमारे सब पूर्वज बादल के नीचे थे, और सब के सब समुद्र के बीच से पार हो गए। (निर्ग. 14:29) **[G907 baptizo ⚑]** (2) और सब ने बादल में, और समुद्र में, मूसा का बपतिस्मा लिया।

हमारे सब बापदादे बादल के नीचे थे, और सब समुद्र में होकर निकल गए → और सब बादल में और समुद्र में मूसा का बपतिस्मा लेने से जुड़ गए।

Fulfillment 1 कुरिन्थियों 10:11 परन्तु ये सब बातें, जो उन पर पड़ीं, दृष्टान्त की रीति पर थीं; और वे हमारी चेतावनी के लिये जो जगत के अन्तिम समय में रहते हैं लिखी गई हैं। **[G3559 nouthesia ⚑]**

ये सब बातें उदाहरण के लिये उन पर पड़ी → और हमारी चितावनी के लिये लिखी गईं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इस्राएल फसह के मेमने के लहू के नीचे मिस्र से निकला, फिर समुद्र के जल में से होकर पार हुआ, फिर गाया, "वह मेरा उद्धार बन गया है", और फिर हर दिन के लिए स्वर्ग की रोटी के साथ प्रतिज्ञा किए हुए देश की ओर चला। वह मार्ग इस अध्ययन के द्वार, चाल, दौड़, और अंतिम रेखा के समान आकार रखता है, और पौलुस कहता है कि ये बातें हमारी चितावनी के लिये लिखी गईं (1 कुरिन्थियों 10:11)। ज्योति ने शरीर को प्रकट कर दिया है।)

समापन

तीतुस 2:11 क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह प्रगट है, जो सब मनुष्यों में उद्धार लाने में सक्षम है । **[G4992 soterios ⚑] [G5485 charis ⚑]** (12) और हमें चिताता है, कि हम अभक्ति और सांसारिक अभिलाषाओं से मन फेरकर इस युग में संयम और धार्मिकता से और भक्ति से जीवन बिताएँ; (13) और उस धन्य आशा की अर्थात् अपने महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा के प्रगट होने की प्रतीक्षा करते रहें।

क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह प्रगट है, जो सब मनुष्यों में उद्धार लाने में सक्षम है → और उस धन्य आशा की अर्थात् अपने महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा के प्रगट होने की प्रतीक्षा करते रहें.

2 तीमुथियुस 4:18 और प्रभु मुझे हर एक बुरे काम से छुड़ाएगा, और अपने स्वर्गीय राज्य में उद्धार करके पहुँचाएगा उसी की महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन। **[G4982 sozo ⚑]**

प्रभु मुझे हर एक बुरे काम से बचाएगा → और अपने स्वर्गीय राज्य के लिये सुरक्षित रखेगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह चाल "अब्बा, हे पिता" के नवजात रोने से आरम्भ होकर, दौड़ने की चाल में से होकर, सिपाही की दौड़ में से होकर, रेखा पर जीवन के मुकुट तक जाती है। टैग देखें, G4982, क्योंकि इस अंतिम प्रतिज्ञा में "बचाए रखना" शब्द सोज़ो है, वही शब्द जो उद्धार के लिये है (2 तीमुथियुस 4:18)। जिस प्रभु ने द्वार पर तुम्हें बचाया, वही तुम्हें उसके स्वर्गीय राज्य में पूरी तरह पहुँचाकर बचाएगा, इसलिये चलते रहो, और पूरा करो।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. 1 पतरस 2:2 — नये जन्मे बच्चों के समान वचन के खरे दूध की लालसा करो, जिससे तुम इसके द्वारा:
a) अनुग्रह में बढ़ो
b) उसके द्वारा बढ़ो
c) ज्योति में चलना

2. मत्ती 24:13 — परन्तु जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा, वही:
a) परमेश्वर की शक्ति से रखा गया
b) छुड़ाया गया
c) उद्धार पाया

3. फिलिप्पियों 2:12 — अपने उद्धार का कार्य सिद्ध करो, साथ:
a) अकथनीय आनन्द
b) भय और कंपकंपी के साथ
c) विश्वास और प्रेम

4. 1 थिस्सलुनीकियों 5:8 — पर हम जो दिन के हैं, सचेत रहें, और विश्वास और प्रेम की झिलम पहिने रहें, और टोप की जगह,
a) उद्धार की आशा
b) प्रगट होने के लिये तैयार किया हुआ उद्धार
c) ज्योति के हथियार

5. इब्रानियों 10:39 — परन्तु हम तो पीछे हट जानेवालों में से नहीं, जिन का अन्त विनाश है; परन्तु विश्वास करनेवालों में से हैं, कि:
a) तुम्हारे प्राणों का उद्धार
b) तुम्हारे विश्वास का अंत
c) प्राण का उद्धार

6. यशायाह 51:6 — क्योंकि आकाश धूएँ के समान लोप हो जाएगा, और पृथ्वी वस्त्र के समान पुरानी हो जाएगी, और उसके निवासी उसी प्रकार मर जाएँगे: परन्तु मेरा उद्धार बना रहेगा:
a) युगानुयुग
b) जगत के बिना अन्त
c) सदा के लिए

7. 1 पतरस 1:9 — अपने विश्वास का प्रतिफल पाकर, अर्थात्:
a) जीवन का मुकुट
b) तुम्हारे प्राणों का उद्धार
c) प्राण का उद्धार

उत्तर कुंजी: 1-b · 2-c · 3-b · 4-a · 5-c · 6-c · 7-b

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

→ छाया किस प्रकार प्रकाश लाती है: इस्राएल लहू के द्वारा और समुद्र में से होकर बाहर आया, और पौलुस कहता है कि पूर्वज सब "मूसा के अनुयायी होने का बपतिस्मा बादल में और समुद्र में पा चुके थे" (1 कुरिन्थियों 10:1-2)। दासत्व से बाहर निकलने का मार्ग उद्धार के मार्ग की छाया है, जो अपने ही अध्ययन के लिए तैयार है।

→ नई वाचा इसे किस प्रकार स्पष्ट करती है: समुद्र के तट पर आज्ञा यह थी, "खड़े रहो, और यहोवा के उद्धार को देखो" (निर्गमन 14:13)। सुसमाचार में वही उद्धार अब सारे जगत के लिए भेजा जाता है: "यह हर एक विश्वास करनेवाले के उद्धार के लिये परमेश्वर की सामर्थ्य है" (रोमियों 1:16)।

→ शब्दों का महत्व: मत्ती 24:13 में "अन्त" और 1 पतरस 1:9 में "अन्त" एक ही यूनानी शब्द (G5056 TELOS) है। जिस अन्त तक व्यक्ति धीरज धरता है, वह विश्वास का अन्त है, अर्थात प्राण का उद्धार।

→ यह अनंतकाल तक कैसे पहुँचता है: आकाश धुएँ के समान लोप हो जाएगा, "परन्तु मेरा उद्धार सर्वदा बना रहेगा" (यशायाह 51:6), और इस्राएल "अनन्तकाल के उद्धार" से उद्धार पाएगा (यशायाह 45:17)।

→ पगडंडी विचार: श्वेत वस्त्र पहने बड़ी भीड़ (प्रकाशितवाक्य 7:9) मेम्ने के विवाह भोज की ओर खुलती है, जहाँ मलमल का बढ़िया वस्त्र "पवित्र लोगों की धार्मिकता" है (प्रकाशितवाक्य 19:8)।

→ संभावित प्रकटीकरण: समुद्र के किनारे का गीत कहता है, "वह मेरा उद्धार बन गया है", और वहाँ उद्धार येशुआह (H3444) है (निर्गमन 15:2)। यीशु का नाम इब्रानी नाम येहोशू (H3091) से आया है, अर्थात यहोवा उद्धार है। और स्वर्गदूत ने कहा, "तू उसका नाम यीशु रखना: क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से उद्धार देगा" (मत्ती 1:21)। उद्धारकर्ता का नाम उद्धार पाए हुओं का गीत है।

ग्रीक मुख्य शब्द

"उद्धार पाया हुआ" — **G4982 sozo** — बचाना; छुड़ाना; रक्षा करना; चंगा करना
"परन्तु जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा, उसी का उद्धार होगा"

"उद्धार" — **G4991 soteria** — बचाव; सुरक्षा; छुटकारा
अर्थात अपने विश्वास का प्रतिफल, अपने प्राणों का उद्धार, प्राप्त करते हो

"उद्धारकर्ता" — **G4990 soter** — एक छुड़ानेवाला; एक उद्धारकर्ता
हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह

"नया जन्म" — **G313 anagennao** — फिर से जन्म देना; फिर से जन्म लेना
नये सिरे से जन्म पाए, नाशवान बीज से नहीं, परन्तु अविनाशी बीज से

"बढ़ना" — **G837 auxano** — बढ़ना; वृद्धि करना
"वचन के निर्मल दूध की लालसा करो, कि उसके द्वारा बढ़ते जाओ"

"लगातार स्थिर रहना" — **G4342 proskartereo** — प्रतीक्षा करते रहना; बने रहना; निरंतर लगे रहना
वे चार बातें जिनमें पहली कलीसिया प्रतिदिन लगी रहती थी

"पूरा करना" — **G2716 katergazomai** — पूरी तरह से काम करना; सिद्ध करना; निष्पादन करना
भय और कांपते हुए अपने उद्धार का कार्य पूरा करो

"सतर्क" — **G1127 gregoreo** — जागते रहना; निगरानी करना
सचेत रहो, जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी फिरता है

"पीछे हटना" — **G5288 hupostello** — सिकुड़ना; पीछे हटना
"परन्तु हम पीछे हटनेवाले नहीं, कि नाश हो जाएं"

"बचाने वाला" — **G4047 peripoiesis** — सुरक्षित रखना; प्राप्त करना; मोल ली हुई संपत्ति
उन सभी के लिये जो विश्वास करते हैं, प्राण के उद्धार के लिये

"सहना" — **G5278 hupomeno** — सहना; उठाए रखना; धीरज धरना
"धन्य है वह मनुष्य, जो परीक्षा में स्थिर रहता है"

"अन्त" — **G5056 telos** — अंत; लक्ष्य बिंदु; लक्ष्य
"अंत तक धीरज धरे रहना", और अपने विश्वास का प्रतिफल पाना

"मुकुट" — **G4735 stephanos** — मुकुट; विजेता की माला
वह जीवन का मुकुट पाएगा

"पूरा करना" — **G5048 teleioo** — पूरा करना; समाप्त करना; सिद्ध करना
"कि मैं अपनी दौड़ को आनन्द के साथ पूरी करूं"

"दौड़" — **G1408 dromos** — दौड़; एक मार्ग
वह दौड़ जिसे पौलुस ने आनन्द के साथ पूरी की

"लेखक" — **G159 aitios** — कारण; रचयिता
"और अपने सब आज्ञा माननेवालों के लिये अनन्त उद्धार का कारण हो गया"

"रखना" — **G5432 phroureo** — रक्षा करना; निगरानी करना; एक चौकी की तरह सुरक्षित रखना
"परमेश्वर की सामर्थ्य से विश्वास के द्वारा उद्धार के लिए सुरक्षित रखे गए"

"जीत लिया" — **G3528 nikao** — जीतना; पराजित करना; विजय पाना
"उन्होंने मेम्ने के लोहू के द्वारा उस पर जय पाई"

(मेरे व्यक्तिगत विचार — देखो कि यह शब्द किस प्रकार बना है। स्ट्रॉंग्स कहता है कि सोतेरिया (G4991, उद्धार) सोतेर (G4990, उद्धारकर्ता) से आया है, और सोतेर सोज़ो (G4982, बचाना) से आया है। उद्धार एक उद्धारकर्ता पर निर्भर है, और यह संपूर्ण शब्द एक व्यक्ति के कार्य को दर्शाता है।)

हिब्रू मुख्य शब्द

“उद्धार” — **H3444 yeshuwah** — कुछ बचाया गया; छुटकारा; उद्धार
यहोवा मेरा उद्धार हो गया है

“उद्धार पाया हुआ” — **H3467 yasha** — बचाना; छुड़ाना; सुरक्षित होना
इस प्रकार यहोवा ने उस दिन इस्राएल को बचाया

“उद्धार” — **H8668 teshuwah** — छुटकारा; बचाव; उद्धार
यहोवा में सर्वदा के उद्धार से उद्धार पाना

“स्थिर रहना” — **H3320 yatsab** — अपने आप को स्थापित करना; स्थिर खड़ा रहना; अपने आप को उपस्थित करना
स्थिर रहो, और यहोवा का किया हुआ उद्धार देखो

“मनन करना” — **H1897 hagah** — बड़बड़ाना; धीरे बोलना; मनन करना
"और वह उसकी व्यवस्था पर दिन रात ध्यान करता है"

“उठाया” — **H5375 nasa** — उठाना; सहना; ढोना
"जो गर्भ ही से उठाए गए, और बुढ़ापे तक भी"

“छुड़ाना” — **H4422 malat** — बचना; छुड़ाना; बचाना
मैं उठाए फिरूंगा, और तुम्हें बचाऊंगा

“यहोशू” — **H3091 Yehowshuwa** — यहोवा उद्धार है; यहोवा-शा-मा
वह इब्रानी नाम जिससे यीशु का नाम निकला है

मेरे व्यक्तिगत विचार — येशूआह (H3444, उद्धार) वह शब्द है जिसे इस्राएल ने समुद्र के किनारे गाया था। यीशु का नाम इब्री नाम यहोशू (H3091) से आया है, जिसका अर्थ है यहोवा उद्धार है। स्वर्गदूत ने नाम और अर्थ को एक ही वाक्य में जोड़ा, "और तू उसका नाम यीशु रखना, क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा" (मत्ती 1:21)।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).